मासिक समाचार पत्र

परिसर

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ

अप्रैल–मई 2025 अंक

ललित कला विभाग में हुए एक कार्यक्रम के दौरान पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, विश्वविद्यालय के शिक्षक और छात्र–छात्राएं।

वैश्विक अनुसंधान और नवाचार से जुड़ी सीसीएसयू

● वैश्विक अनुसंधान, नवाचार और सतत विकास के लिए सीसीएसयू ने किए बहुपक्षीय 'फ्लेक्सी एमओयू पर हस्ताक्षर

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने वैश्विक शैक्षणिक सहयोग और शोध गतिविधियों को नई दिशा देने की दिशा में एक अहम पहल करते हुए बहुपक्षीय फ्लेक्सिबल मेमोरेंडम आफ अंडरस्टैंडिंग यानी फ्लेक्सी एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता स्वदेशी शोध संस्थान (दिल्ली), यूनिवर्सिटी आफ एजडर (नार्वे), इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (अमरकंटक, मप्र) और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (नई दिल्ली) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ हुआ है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद दिल्ली में आयोजित, 'इंटरनेशनल कांफ्रेंस आन विजन 2047 प्रास्परस एंड ग्रेट भारत' में इस एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ।

दिल्ली में हुए एमओयू में उपस्थित कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला व अन्य प्रतिष्ठित वक्ता व अतिथि।

यह तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन स्वदेशी शोध संस्थान की ओर से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और आइसीएआर के सहयोग से आयोजित हुआ, जिसमें देश के विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भाग लिया।

इस समझौते का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र और विभिन्न क्षेत्रों के बीच बहुआयामी सहयोग को प्रोत्साहित करना है, जिसमें भारतीय शोध को वैश्विक मंच से जोड़ना, विकेंद्रीकृत आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देना, रणनीतिक साझेदारियों का निर्माण और राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन प्रमुख रूप से शामिल है।

समझौते के तहत विश्वविद्यालय ज्ञान साझाकरण एवं शोध क्षमता का सुदृढ़ीकरण, नवाचार व तकनीक हस्तांतरण के माध्यम से वैश्विक नेतृत्व की दिशा में प्रयास, सतत नवाचार, स्वरोजगार और स्टार्टअप संस्कृति को प्रोत्साहन, भारत/2047, हर घर स्वदेशी, हर युवा उद्यमी और स्वदेशी जीवनशैली जैसे अभियानों को समर्थन देने के साथ ही सीसीएसयू संस्थागत व राष्ट्रीय ब्रांड के रूप में पहचान सुदृढ़ करने की दिशा में कार्य करेगा।

कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा, यह एमओयू भारत की परंपरागत ज्ञान प्रणाली को वैश्विक विमर्श से जोड़ने की दिशा में एक मील का पत्थर है। कहा कि यह सहयोग वैदिक प्रेरणा, 'अजय्यं च विश्वस्य देशे शक्तितम, सुशीलं जगद्येन नमं भवेत' के अनुरूप है, जो वैश्विक सम्मान के साथ शक्ति, चरित्र और ज्ञान के आदर्श को स्थापित करता है।

सरदार पटेल के विचारों पर राष्ट्रीय सेमिनार में होगा मंथन

पत्रकारिता विभाग में व्याख्यान देंगे 25 विशेषज्ञ

सेमिनार की जानकारी देते प्रोफेसर प्रशांत कुमार, साथ हैं डा. मनोज कुमार श्रीवास्तव व डा. दीपिका वर्मा।

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (सीसीएसयू) के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल की ओर से सरदार वल्लभ भाई पटेल पर 30 व 31 मई को राष्ट्रीय सेमिनार होगा। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के आइसीएसएसआर नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित सेमिनार का विषय है 'भारत के एकीकरण में सरदार पटेल की विचारधारा एवं उनकी भूमिका के उत्प्रेरक के रूप में मीडिया का योगदान'। प्रेस वार्ता में स्कूल के निदेशक प्रो. प्रशांत कुमार ने इसकी जानकारी दी।

पत्रकारिता विभाग के वरिष्ठ शिक्षक डा. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि संगोष्ठी का उद्देश्य शोधार्थियों को सरदार पटेल के योगदान को गहराई से समझने और उस पर शोध करने के लिए प्रेरित करना है। उनका मानना है कि वर्तमान समय में भी सरदार पटेल के विचार प्रासंगिक हैं और समाज को उनसे सीख लेनी चाहिए। सेमिनार की संयोजिका डा. दीपिका वर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम में देशभर से लगभग 200 प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। पहले दिन तीन तकनीकी सत्र और एक सांस्कृतिक संध्या रखी गई है।

इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित शिक्षाविद और मीडिया विशेषज्ञ भी विचार साझा करेंगे। इनमें पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल, आइसीएसएसआर के सदस्य सचिव प्रो. धनंजय सिंह, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. संजीव कुमार शर्मा, कुशाभाऊ ठाकरे विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. बलदेव भाई शर्मा, दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल, आइआइएमसी के प्रो. प्रमोद कुमार, पांचजन्य के संपादक हितेश शंकर, आर्गनाइजर के संपादक प्रफुल्ल केतकर सहित कई अन्य विद्वान शामिल होंगे।

सीसीएसयू को मिला आइपीआर चेयर पद

बढ़ेगा अनुसंधान, प्रदेश में यह चेयर पाने वाला पहला राज्य विश्वविद्यालय

परिसर संवाददाता

मेरठ। बौद्धिक संपदा अधिकार यानी इंटलेक्चुअल प्रापर्टी राइट्स (आइपीआर) के क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए स्थापित की जाने वाली आइपीआर चेयर चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (सीसीएसयू) को मिली है। प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में आइपीआर चेयर प्राप्त करने वाला सीसीएसयू पहला विश्वविद्यालय है।

भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने विश्वविद्यालय को यह चेयर का पद दिया है। यह पद आम तौर पर विश्वविद्यालयों या शोध संस्थानों में राष्ट्रीय आइपीआर निकायों या सरकारी विभागों के सहयोग से बनाया जाता है।

प्रेस वार्ता में कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने यह जानकारी दी। देश में आइपीआर चेयर को उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग की ओर से शुरू की गई स्कीम फार पेडगाजी एंड रिसर्च इन आइपीआसं फार होलिस्टिक एजुकेशन एंड एकेडमिया योजना के तहत स्थापित किया जाता है। देश के करीब 20 विश्वविद्यालयों में आइपीआर चेयर स्थापित किए गए हैं।

विश्वविद्यालय के शोध निदेशक प्रो. बीरपाल सिंह ने बताया कि सीसीएसयू को मिली इस उपलब्धि में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री जयंती चौधरी का प्रमुख योगदान है। विश्वविद्यालय की उपलब्धियों और संसाधनों को देखते हुए यह पद विश्वविद्यालय को प्रदान किया है। उन्होंने बताया कि सीसीएसयू पेटेंट में देश में चौथे और आवेदन करने वाले उच्च शिक्षण संस्थानों में शीर्ष पांच स्थान में शामिल है। प्रदेश में यह पद केंद्रीय विश्वविद्यालय बीएचयू और राम मनोहर लोहिया विश्वविद्यालय में ही है।

प्रो. बीरपाल ने बताया कि इसके अंतर्गत इस पद पर एक प्रोफेसर की नियुक्ति होगी। उन्हें एक लाख रुपये प्रति माह के हिसाब से पांच वर्ष के लिए मंत्रालय ही वेतन देगा। इसे दो वर्ष और बढ़ाया जाएगा। इसी तरह दो रिसर्च असिस्टेंट नियुक्त होंगे। रिसर्च असिस्टेंट यदि स्नातक हैं तो 30,000 रुपये प्रति माह, परास्नातक हैं तो 40,000 रुपये प्रति माह और पीएचडी हैं तो उन्हें 50,000 रुपये प्रति माह मिलेंगे। पांच लाख प्रति वर्ष अन्य खर्चों के लिए मिलेंगे। साथ ही एक पीएचडी फेलोशिप, जेआरएफ या एसआरएफ के तौर पर मिलेगा जिसमें 25,000 या 28,000 रुपये मिलेंगे। मंत्रालय से सीसीएसयू पर सात वर्षों में करीब 2.3 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। प्रोफेसर एसएस गौरव ने बताया कि सीसीएसयू में वर्ष 2011 में आइपी सेल बना और अब तक 96 पेटेंट प्रकाशित हो चुके हैं।

यह है आइपीआर चेयर का मुख्य उद्देश्य

- छात्रों और शोधकर्ताओं में आइपीआर शिक्षा और जागरूकता को बढ़ावा देना
- अंतर्विषयक अनुसंधान को प्रोत्साहित करना, जो आइपीआर कानून से संबंधित हो
- आइपी पाठ्यक्रमों के विकास में सलाह देना
- प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन करना
- अनुसंधान पत्र प्रकाशित करना, आइपी से जुड़ी नीतिगत रिपोर्ट तैयार करना।

शहीदों को नमन किया : 10 मई को क्रांति दिवस पर 1857 की क्रांति के स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को नमन करते हुए कुलपति ने अमर शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया।

ई–गवर्नेंस में रचा इतिहास, देशभर के विश्वविद्यालयों को दिखाई राह

दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सीसीएसयू कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने दिया व्याख्यान

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने डिजिटल गवर्नेंस के क्षेत्र में बड़ी छलांग लगाई है। दिल्ली में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने जब ई–गवर्नेंस रणनीतिक प्रबंधन उपकरण विषय पर अपनी प्रस्तुति दी, तो देशभर के शिक्षाविदों और अधिकारियों ने सराहना की। कार्यशाला का आयोजन प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम ऊषा) के तहत हुआ जिसमें देश के चुने हुए 65 विश्वविद्यालयों ने भाग लिया।

प्रो. संगीता शुक्ला ने बताया कि सीसीएसयू न सिर्फ अपने लिए बल्कि देश के कई विश्वविद्यालयों के लिए भी ई–गवर्नेंस समर्थ समूह का नेतृत्व कर रहा है। इस समूह में कल्याणी विश्वविद्यालय (प. बंगाल), आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, पटना विश्वविद्यालय और तमिलनाडु का एक राज्य विश्वविद्यालय शामिल हैं। सभी के लिए सीसीएसयू ने विजन डॉक्यूमेंट और रोडमैप तैयार किया है।

प्रो. संगीता शुक्ला ने समर्थ प्लेटफॉर्म की सफलता की कहानी साझा करते हुए बताया कि कैसे विश्वविद्यालय ने डिजिटल प्रमोशन ट्रैकिंग, ऑनलाइन ग्रेडिंग सिस्टम, वर्चुअल लर्निंग और डिजिटल सर्टिफिकेट जैसे कई मॉड्यूल को लागू किया है।

इससे छात्रों, शिक्षकों और प्रशासन सभी के लिए कामकाज आसान और पारदर्शी हुआ है।

दिल्ली में हुई राष्ट्रीय कार्यशाला में सीसीएसयू की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला को सम्मानित करते अतिथि।

'सामाजिकता का केंद्र बनेगा सीसीएसयू'

● पत्रकार एवं शिक्षाविद प्रो. बलदेव भाई शर्मा आईक्यूएसी के सलाहकार नामित

आईक्यूएसी विभाग में बलदेव भाई शर्मा का स्वागत करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला और शिक्षकगण।

परिसर संवाददाता

मेरठ। हिंदी पत्रकारिता, संपादन, शिक्षण और लेखन के क्षेत्र में चार दशकों से अधिक का अनुभव रखने वाले प्रतिष्ठित शिक्षाविद् एवं पत्रकार प्रोफेसर बलदेव भाई शमां को चौधरी चरण सिंह विवि के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) का सलाहकार नामित किया गया है। इससे पूर्व प्रो. एन.सी. गौतम भी इस प्रकोष्ठ में सलाहकार के रूप में कार्य कर रहे हैं।

विवि के आईक्यूएसी विभाग में आयोजित अपनी पहली बैठक में प्रो. शर्मा ने भाग लिया और विवि की शैक्षणिक, शोध तथा सामाजिक उपलब्धियों से अवगत हुए।

प्रो. बलदेव भाई शर्मा पूर्व में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विवि, रायपुर के कुलपति रह चुके हैं और हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विवि, धर्मशाला में पत्रकारिता विभाग के प्रोफेसर के रूप में उन्होंने दीर्घकाल तक सेवाएं दी हैं।

प्रो० शर्मा के आईक्यूएसी सलाहकार नामित होने पर कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि "प्रो. बलदेव भाई शर्मा जैसे अनुभवी और राष्ट्रचेतन व्यक्तित्व का विश्वविद्यालय से जुड़ना हमारे लिए गौरव का विषय है। उनके अनुभव का लाभ विश्वविद्यालय की नीति निर्माण, शोध संवर्धन और गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में अवश्य मिलेगा।"

प्रति–कुलपति प्रोफेसर मृदुल कुमार गुप्ता ने बैठक का संयोजन करते हुए आईक्यूएसी की कार्यप्रणाली, उद्देश्यों और प्रगति से प्रो. शर्मा को अवगत कराया। वहीं शोध निदेशक प्रो. बीरपाल सिंह ने विवि की शोध गतिविधियों, राष्ट्रीय रैंकिंग्स में सुधार, अनुसंधानों एवं राष्ट्रीय–अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित उपलब्धियों से अवगत कराया।

प्रो. बलदेव भाई शर्मा ने कहा कि "विवि केवल ज्ञान का केंद्र नहीं बल्कि सामाजिकता का भी केंद्र बनेगा। चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों एवं राष्ट्रीय चेतना से जुड़े प्रयासों में इसकी सक्रिय भूमिका होगी। विवि को जनकल्याणकारी शोधों को भी प्राथमिकता देनी चाहिए, जिससे समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचे।" बैठक में आईक्यूएसी सलाहकार प्रो. एन.सी. गौतम ने भी विवि की शैक्षणिक प्रगति, तथा नवीन योजनाओं पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर आईक्यूएसी के अन्य सदस्यगण भी उपस्थित रहे।

आईआईएमटी और सीसीएसयू के बीच सहयोग समझौता

परिसर संवाददाता

मेरठ। आईआईएमटी विवि और चौ. चरण सिंह विवि ने एमओयू साइन किया है। दोनों विवि आपसी हित क्षेत्रों में अनुसंधान सहयोग, शैक्षणिक सामग्रियों का आदान–प्रदान, संयुक्त अनुसंधान परियोजना, सहकारी संगोष्ठी सेमिनार, कार्यशाला, सम्मेलन, अभिनव विचार सम्मेलन, स्टार्टअप्स का पारस्परिक इनक्यूबेशन और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र की स्थापना के लिए परामर्श, सहयोग एवं सहायता करेंगे।

आईआईएमटी के कुलाधिपति योगेश मोहन गुप्ता ने कहा कि यह एमओयू दोनों विवि के बीच ज्ञान और संसाधनों को साझा करने और उत्कृष्टता, अनुसंधान, संसाधन आदि क्षेत्रों में सशक्त शैक्षणिक सहयोग स्थापित करने के लिए किया गया है। इससे न सिर्फ दोनों विवि के छात्रों को कॅरियर निर्माण के नये अवसर प्राप्त होंगे बल्कि संकाय सदस्यों को भी इसका लाभ मिलेगा।

सीसीएसयू कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा कि दोनों विवि के बीच हुआ यह एमओयू मील का पत्थर साबित होगा। दोनों विवि को इसका लाभ मिलेगा। आईआईएमटी विवि के प्रति कुलाधिपति डॉ. मयंक अग्रवाल ने कहा कि इस एमओयू से छात्र और संकाय सदस्यों को अनुसंधान, नवाचार और रचनात्मकता की दिशा में लाभ मिलेगा।

आईआईएमटी से कुलपति प्रो. दीपा शर्मा, कुलसचिव डॉ. वीपी राकेश, निदेशक आईक्यूएसी डॉ. वत्सला तोमर, डीएसडब्ल्यू डॉ. नीरज शर्मा और सीसीएसयू से प्रोवीसी प्रो. मृदुल गुप्ता, कुलसचिव धीरेन्द्र कुमार, प्रो. वीरपाल सिंह मौजूद रहे।

सहयोग समझौते के बाद कुलपति के साथ राष्ट्रीय कला मंच के पदाधिकारी।

सीसीएसयू, राष्ट्रीय कला मंच के बीच एमओयू

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय कला मंच, मेरठ प्रांत के बीच कुलपति कार्यालय स्थित समिति कक्ष में एक महत्वपूर्ण मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किए गए। इस करार के माध्यम से विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक और स्थापत्य धरोहरों को संरक्षित करने के लिए दोनों संस्थाएं मिलकर काम करेंगी।

विवि कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने इस समझौते को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भारत की सांस्कृतिक परंपराएं हमारी पहचान का आधार हैं। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को इन मूल्यों से जोड़ने और उन्हें सृजनात्मकता व शोध के माध्यम से आगे बढ़ाने के लिए संकल्पित है। यह समझौता न केवल परिसर की धरोहरों के संरक्षण की दिशा में नई राह खोलेगा, बल्कि विद्यार्थियों को अपने अतीत से जुड़ने और रचनात्मक रूप से उसके संरक्षण में भागीदारी का अवसर भी देगा। इस समझौते के अंतर्गत विद्यार्थियों को विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में सांस्कृतिक मूल्यों की गहराई से समझ मिलेगी और वे व्यवहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से भारतीय विरासत को सहेजने की तकनीकों से भी रूबरू होंगे। इस प्रकार की पहल विद्यार्थियों को संस्कृति संरक्षण में सक्रिय भागीदारी का अवसर भी प्रदान करेगी।

इस अवसर पर विवि के मीडिया सेल के इंचार्ज प्रो. मुकेश शर्मा, विवि अभियंता इंजीनियर मनीष मिश्रा, डॉ. सचिन कुमार तथा राष्ट्रीय कला मंच मेरठ प्रांत के पदाधिकारीगण अभिनव दीप एवं अनुज ठाकुर इत्यादि मौजूद रहे।

संरक्षक : प्रोफेसर संगीता शुक्ला (कुलपति), **मुख्य संपादक** : प्रोफेसर प्रशांत कुमार, **संपादकीय सलाहकार** : डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. बीनम यादव, **संपादक** : लव कुमार सिंह, **संपादकीय टीम** : बीएजेएमसी और एमएजेएमसी के छात्र–छात्राएं।

टैबलेट/स्मार्ट फोन मिले : उत्तर प्रदेश सरकार की स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत जंतु विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों को कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला एवं मुख्य अतिथि ऊर्जा राज्य मंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर ने टैबलेट/ स्मार्टफोन वितरित किए।

युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलेंगे रोजगार के अवसर

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में ब्लॉक चेन स्किल हब सेंटर की स्थापना का प्रस्ताव पेश किया

परिसर संवाददाता

मेरठ। तकनीकी नवाचार की दिशा में कदम उठाते हुए चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में भारत ब्लॉक चेन स्किल हब' (बीवीएसएच) सेंटर की स्थापना का प्रस्ताव पेश किया गया। बताया गया कि विवि परिसर में ब्लॉक चेन सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) स्थापित होगा। यह हब एंड स्पोक मॉडल के तहत कार्य करेगा। मेरठ को मुख्य केंद्र (हब) बनाकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 25 से अधिक शिक्षण संस्थानों में एप्लाइड ब्लॉक चेन सेंटर्स (स्पोक्स) खोले जाएंगे। इसके माध्यम से युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी। इन केंद्रों के माध्यम से छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त ब्लॉक चेन प्रमाण पत्र, व्यावहारिक प्रोजेक्ट्स, स्टार्टअप इनक्यूबेशन और रोजगार के अवसर मिलेंगे।

कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला, प्रतिकुलपति प्रो. मृदुल कुमार गुप्ता, शोध निदेशक प्रो. बीरपाल सिंह, डीन साइंस फैकल्टी प्रो. जयमाला और कुलसचिव धीरेंद्र कुमार वर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारियों एवं शिक्षकों के समक्ष आईडीएस इनफार्मेशन डाटा सिस्टम एवं बिजनेस डेवलपमेंट एग्जीक्यूटिव गौरव शर्मा ने परियोजना का विस्तृत खाका पेश किया।

परियोजना के तहत अगले पांच वर्ष में 25000 से ज्यादा विद्यार्थियों और 500 से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित

करने का प्लान बनाया गया है। छात्रों को हाइपरलेजर, हेडेरा जैसे प्रमुख ब्लॉक चेन प्लेटफॉर्म्स पर प्रशिक्षण दिलाया जाएगा। साथ ही सफल छात्रों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में इंटर्नशिप और नौकरी के अवसर प्रदान किए जाएंगे।

बताया गया कि स्टार्टअप ट्रैक के तहत नवाचार आधारित विचारों को विकसित करने में सहयोग दिया जाएगा। चयनित स्टार्टअप्स को 5 से 10 लाख रुपये तक की सीड फंडिंग दिलाने का भी लक्ष्य तय किया जा सकता है।

यह पहल स्किल इंडिया मिशन, राष्ट्रीय ब्लॉक चेन रणनीति और आत्मनिर्भर भारत अभियान जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रमों के उद्देश्यों के अनुरूप है। इससे सीसीएसयू को भी विशेष पहचान मिलेगी। कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने इस पहल पर खुशी जताई। विश्वविद्यालय अकादमिक नवाचार में अग्रणी रहा है।

प्रतिभा को मंच देने 'क्लब' में आएं युवा

परिसर संवाददाता

मेरठ। रंगमंच, गायन, नृत्य, वाद्य संगीत और कविता पाठ में मेरठ के युवाओं को मंच देने के लिए चौ. चरण सिंह विवि कैंपस के छात्र–छात्राओं ने नई पहल शुरू की है। हुनर को आवाज और पहचान देने के लिए छात्रों ने द स्टेज क्लब बनाया है। यह क्लब ना केवल कैंपस बल्कि शहर के स्कूल–कॉलेज जों के विद्यार्थियों को भी मंच देते हुए पहचान देगा।

खास बात यह है कि इस क्लब में ना तो कोई अध्यक्ष है ना ही कोई महामंत्री। सभी सदस्य हैं। क्लब ने इंस्ट्राग्राम सहित सभी सोशल मीडिया पर अपनी दस्तक देना शुरू कर दिया है। क्लब सदस्य ध्रुव गोस्वामी के अनुसार 'द स्टेज क्लब नियमित स्टेज शो, वर्कशॉप्स और प्रतियोगिताएं आयोजित करेगा। मेरठ सहित आसपास के क्षेत्र के युवाओं में प्रतिभा की कमी नहीं है। बस उन्हें सही दिशा और अवसर की जरूरत है।

पत्रकारिता में योगदान के लिए नारद सम्मान प्रदान किए

परिसर संवाददाता

मेरठ। विश्व संवाद केन्द्र मेरठ ने हिंदी पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष्य में 18 मई को सीसीएसयू के अटल सभागार में 'नारद सम्मान समारोह 2025' का आयोजन किया। इसमें पत्रकारिता के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले मीडियाकर्मियों को सम्मानित किया गया।

विश्व संवाद केंद्र ने सीसीएसयू में किया आयोजन

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेन्द्र ठाकुर जी रहे। मुख्य वक्ता प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा रहे। मेरठ के महापौर हरिकांत अहलूवालिया और विश्व संवाद केन्द्र के अध्यक्ष श्याम बिहारी लाल भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार बृजेश कुमार जैन को प्रिंट मीडिया के क्षेत्र में सतत अविस्मरणीय योगदान हेतु लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया गया। प्रवीण दीक्षित जी को प्रिंट मीडिया के क्षेत्र में और श्रीमती अनीता चौधरी को सोशल मीडिया के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए नारद सम्मान दिया गया।

फोटो पत्रकार के रूप में मुरादाबाद के सुनील यादव लवलीन और मीडिया शिक्षक के रूप में श्रीराम कॉलेज के पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष रवि भूषण गौतम को नारद सम्मान से अलंकृत किया गया।

निर्णायक मंडल में डा. मनोज कुमार श्रीवास्तव, शरद व्यास और पंकज राज शर्मा शामिल रहे। आयोजन में सुरेन्द्र सिंह जी का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन सुनील द्वारा किया गया। संजीव गर्ग, पंकज, डा. यीनम यादव, राकेश और तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के छात्र–छात्राओं ने आयोजन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

पुरस्कार पाने वाले विजेता अतिथियों के साथ (ऊपर) और दीप प्रज्वलित करते आरएसएस के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र ठाकुर, प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा, महापौर हरिकांत अहलूवालिया और प्रोफेसर प्रशांत कुमार।

विज्ञान को सरल, सहज भाषा में प्रस्तुत करें

तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में विशेष आनलाइन व्याख्यान आयोजित

परिसर संवाददाता

मेरठ। सीसीएसयू के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल में आयोजित विशेष आनलाइन व्याख्यान में भारत सरकार में विज्ञान संचार विभाग के प्रभारी निमिष कपूर ने कहा कि भारतीय संस्कृति में वैज्ञानिक दृष्टिकोण गहराई से समाहित है। भारत के प्राचीन ग्रंथों और सभ्यता में विज्ञान और तर्कशीलता की जड़ें स्पष्ट रूप से दिखाई देती हैं। जो लोग विज्ञान की तकनीकों और वैज्ञानिक सोच का विरोध करते हैं, उनके पास इसका कोई ठोस प्रमाण नहीं है।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि विज्ञान को सरल और सहज भाषा में प्रस्तुत किया जाए, ताकि आठ वर्ष के बच्चे भी उसे आसानी से समझ सकें। बच्चों में वैज्ञानिक चेतना विकसित करने के लिए विज्ञान

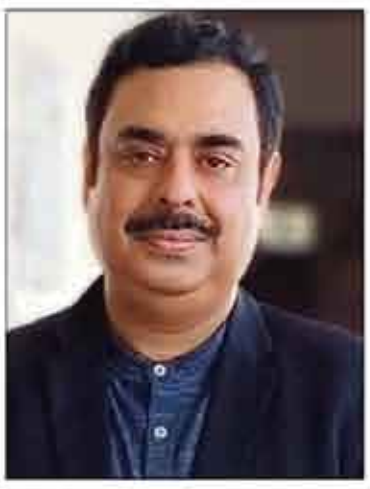

भारत सरकार के विज्ञान संचार विभाग के प्रभारी निमिष कपूर

लेखन को सरल और रोचक बनाना आवश्यक है।

कपूर ने बताया कि भारत के पास परमाणु ऊर्जा का अथाह भंडार है, जिसका सही उपयोग कर भारत बिजली उत्पादन में विश्व में अग्रणी बन सकता है। वर्तमान में भारत सौर ऊर्जा के माध्यम से बड़े स्तर पर बिजली उत्पादन कर रहा है, किंतु भविष्य में परमाणु ऊर्जा का उपयोग हमें ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर और सशक्त बनाएगा।

कपूर ने ऋग्वेद का उल्लेख करते हुए बताया कि 1400– 1700 ईसा पूर्व के ग्रंथों में सूर्य ग्रहण का वर्णन मिलता है, जो भारतीय वैज्ञानिक दृष्टिकोण की प्राचीनता को सिद्ध करता है।

उन्होंने प्रतिभागियों को सुझाव दिया कि सूर्य को सुरक्षित तरीके से देखने के लिए सोलर फिल्टर का उपयोग करें। साथ ही ग्रहण की फोटोग्राफी भी आसानी से संभव है यदि वैज्ञानिक सावधानियों का पालन किया जाए।

रक्तदान जीवन का उपहार, समाज का उत्थान : प्रो. शुक्ला

परिसर संवाददाता

मेरठ। क्रांति दिवस की पूर्व संध्या पर चौधरी चरण सिंह विवि और बूंद फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित रक्तदान शिविर में कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि रक्तदान, वास्तव में महादान है, यह एक ऐसा उपहार है जो जरूरतमद व्यक्ति को जीवन में नई आशा और संबल देता है। 'जब किसी के जीवन की डोर कुछ रक्त की बूंदों पर निर्भर होती है, तब रक्तदाता देवदूत बनकर उसकी जिंदगी बचाते हैं। रक्तदान की प्रक्रिया सरल अवश्य है, लेकिन इसका प्रभाव अनमोल और दूरगामी होता है। यह न केवल एक दान है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी भी है, जिसे निभाना हम सभी का कर्तव्य है।

उन्होंने कहा कि रक्तदान हमें दूसरों की मदद करने का अवसर देता है और साथ ही हमारे अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता भी बढ़ाता है। हमें अपने आसपास के लोगों को भी प्रेरित करना चाहिए कि वे इस नेक कार्य में भाग लें और समाज को स्वस्थ और सशक्त बनाने में सहयोग करें।

शिविर के माध्यम से कुलपति ने सभी से अपील की कि वे रक्तदान के महत्व को समझें, इसे जीवन का नियमित हिस्सा बनाएं और इस महाअभियान में सक्रिय भागीदारी करें। इस अवसर पर प्रति कुलपति प्रोफेसर मृदुल कुमार गुप्ता, रिसर्च डायरेक्टर प्रोफेसर बीरपाल सिंह, बूंद फाउंडेशन के डायरेक्टर रवि कुमार और उनकी टीम, श्री कृष्णा चेरिटेबल ब्लड बैंक के डायरेक्टर योगेंद्र यादव तथा उनकी टीम मौजूद रही।

रक्तदान शिविर का आयोजन : क्रांति दिवस की पूर्व संध्या पर चौधरी चरण सिंह विवि और बूंद फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें लोगों ने बढ़–चढ़कर रक्तदान किया।

श्रीकृष्ण गोविंद हरे मुरारी हे नाथ नारायण वासुदेवा...

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के सभागार में हुई श्रीकृष्ण भक्ति संध्या में भजनों पर झूमे छात्र–छात्राएं

परिसर संवाददाता

मेरठ। श्रीकृष्ण गोविंद हरे मुरारी, हे नाथ नारायण वासुदेवा.... तेरी लीला समझ न आए, हे मुरारी... जैसे भजनों के साथ चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अटल सभागार में श्रीकृष्ण भक्ति संध्या का भव्य आयोजन किया गया। कान्हा के भजनों पर छात्र–छात्राएं सहित अन्य दर्शक झूमते रहे। पावन चिंतन धारा आश्रम और तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से यह आयोजन किया गया।

इसमें आध्यात्मिक गुरु प्रो. पवन सिन्हा ने कहा कि युवा चकाचौंध की दुनिया से बाहर निकलें और व्यक्तित्व विकसित करें। लक्ष्य के लिए एकाग्र रहकर निरंतर आगे बढ़ें। रील नहीं, रीयल स्टोरी से जिंदगी को जोड़िए। भग. वान श्रीराम ने रामराज्य दिया और श्रीकृ ष्ण ने कृष्णराज्य। इन्होंने अपने व्यक्तित्व पर काम किया। फिर राज्य–राष्ट्र को केंद्र में रखा।

उन्होंने कहा कि यह हमारे पूर्वजों की गलती है कि हमने अपनी पीढ़ियों को भगवान राम एवं श्रीकृष्ण राज्य के बारे में नहीं बताया। हमें स्वामी विवेकानंद से सीखना होगा। प्रो. सिन्हा ने विद्यार्थियों से कहा कि ये इतिहास की जानकारी रखें।

श्रीकृष्ण निराकार और साकार

आश्रम से आईं महिमा वाचक सुरभि दीदी ने बताया कि श्रीकृष्ण ने कैसे अपना जीवन अपनी प्रजा के लिए न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि संन्यासी केवल वस्त्रों का परिवर्तन नहीं है, इसके कठोर नियम होते हैं। नारायण के बिना कलयुग में किसी की भी नाव पार नहीं लग सकती। सुख तो क्षणभर का होता है। उसके बाद फिर अंधियारा आ जाता है, इसलिए प्रभु भक्ति बेहद जरूरी है। श्रीकृ ष्ण ने कई लीलाओं से मानव को संतु. लित जीवन की सीख दी है।

श्रीकृष्ण भक्ति संध्या में गीतों पर दर्शकों के साथ झूमते पावन चिंतन धारा आश्रम के आध्यात्मिक गुरु पवन सिन्हा (ऊपर बाएं), श्रीकृष्ण की महिमा बतातीं सुरभि दीदी (ऊपर दाएं) और कार्यक्रम में दर्शकों के साथ उपस्थित पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल व राज्यसभा सदस्य डॉ. लक्ष्मीकांत बाजपेयी।

उन्होंने कहा कि आत्मा अजर और अमर है। यह लिबास की तरह शरीर बदलती है। भगवान श्रीकृष्ण निराकार भी है और साकार भी, जिनका अस्तित्व हर युग में है और रहेगा। कार्यक्रम के दौरान करण मल्होत्रा और डॉक्टर संजय ने कान्हा के भजन सुनाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

युवाओं के लिए फूड प्रोसेसिंग में बेहतर अवसर : सुशील कुमार

मेरठ। गृह विज्ञान विभाग में 15 दिवसीय फूड प्रिजर्वेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन विभाग की समन्वयक प्रो. बिंदु शर्मा और प्रो. जमाल अहमद सिद्दीकी ने किया। शुभारंभ सत्र में मुख्य अतिथि सुशील कुमार सिरोही ने व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र में बेहतर अवसर हैं। उन्होंने छात्र–छात्राओं को फलों एवं सब्जियों के संरक्षण की पारंपरिक और आधुनिक तकनीक की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि सामान्य गृह उपयोग की विधियों से जैम, जैली, मुरब्बा एवं अन्य भोज्य उत्पाद बनाए जा सकते हैं। खाद्य प्रसंस्करण के माध्यम से मौसमी फलों और सब्जियों को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है। यह आत्मनिर्भरता की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। युवाओं को इस दिशा में प्रशिक्षण लेकर छोटे स्तर पर स्टार्टअप या उद्यम शुरू करने चाहिए।

नारद से विवेकानंद तक का संचार तंत्र पढ़ेंगे विद्यार्थी

पत्रकारिता विभाग में एमएजेएमसी, बीएजेएमसी आनर्स व फिल्म एंड थिएटर स्टडीज में किए गए बदलाव

परिसर संवाददाता

मेरठ। तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल ने इस सत्र से तीन पाठ्यक्रमों में बदलाव किए हैं। तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल के निदेशक प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने बताया कि एमएजेएमसी, बीएजेएमसी आनर्स और बैचलर इन फिल्म एंड थिएटर स्टडीज में नए पेपर व पाठ्य सामग्रियों को शामिल किया गया है।

एमएजेएमसी में विद्यार्थियों के लिए नया पेपर, इंडियन कम्यूनिकेशन पैटर्न, जोड़ा गया है जिसमें नारद मुनि से लेकर स्वामी विवेकानंद तक के संचार तंत्र को पढ़ाया जाएगा। इसमें श्रीकृष्ण, श्री हनुमान, गौतमबुद्ध, महाभारत के संजय, महावीर जैन, आदि शंकराचार्य, स्वामी विवेकानंद, सम्राट अशोक के कम्यूनिकेशन पैटर्न यानी संचार स्वरूप को पठन–पाठन मे शामिल किया है। इसके साथ ही पत्रकारिता में महिलाओं के योगदान के तहत अपाला, घोषा, गार्गी, मैत्रेयी को पढ़ाया जाएगा।

प्रोफेसर प्रशांत कुमार ने बताया कि प्राचीन भारत में संचार व्यवस्था के अंतर्गत भारत की श्रुति व स्मृति परंपरा को भी पढ़ाया जाएगा। इसमें कूटनीति, अंतरराष्ट्रीय नीति, व्यापार, चिकित्सा आदि को शामिल किया गया है।

एमएजेमसी में स्वतंत्रता के बाद आइकनिक पर्सनैलिटीज आफ इंडिया को अब भारत के महत्वपूर्ण घटनाक्रम को पढ़ाया जाएगा। इसमें मेरठ छावनी में शुरू हुए पहले भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और इसके नायकों, धन सिंह कोतवाल और बाबा शाहमल को भी पढ़ाया जाएगा। प्रमुख घटनाक्रमों में नेताजी सुभाष चंद्र बोस, भारत–चीन और भारत–पाकिस्तान के बीच के तमाम युद्ध, इमरजेंसी आदि में पत्रकारिता की भूमिका को युवा पढ़ेंगे। साथ ही क्षेत्रीय पत्रकारिता में योगदान देने वाले और आइसीटी यानी इन्फार्मेशन एंड टे. क्नोलाजी का पेपर जुड़ा है।

बीएजेएमसी आनर्स में भारतीय कम्यूनिकेशन पैटर्न के साथ ही प्रयोजन मूलक हिंदी व्याकरण और कम्युनिकेटिव इंग्लिश को शामिल किया गया है। एनवायरमेंटल कम्यूनिकेशन, ग्राफिक्स एंड इलस्ट्रेशंस, फिल्म स्टडीज, कारपोरेट कम्युनिकेशंस एंड मीडिया मैनेजमेंट पर नया पेपर लिया है। इस चार वर्षीय पाठ्यक्रम में तीसरे वर्ष में बेसिक्स आफ रिसर्च व चौथे वर्ष में एडवांस कम्यूनिकेशन रिसर्च है। इसमें खेल, बिजनेस, स्वास्थ्य आदि समाचारीय क्षेत्रों में विशेषज्ञता का प्रशिक्षण देने के लिए सभी के अलग– अलग पेपर भी होंगे। हर सेमेस्टर में प्रैक्टिकल होगा। छठा सेमेस्टर पूरी तरह प्रयोगात्मक है। इसमें न्यूनतम 45 से 60 दिन का इंटर्नशिप अनिवार्य होगा।